Roll No. .....
Signature of Invigilator ……

Paper Code
MD-402

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination May – 2019

M.A. Philosophy (Semester: Fourth)

Philosophy

न्याय–वैशेषिक–4

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो तीन (03) खंडों अ, ब, तथा स में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड–अ
(दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'अ' में पांच (05) दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. वैशेषिक दर्शनानुसार 'अभाव' क्या है तथा कितने प्रकार का है? उदाहरण देकर स्पष्ट करें।
2. गौतमीय दर्शनानुसार तत्त्वज्ञान प्राप्ति के साधन कौन–कौन से हैं?
3. ऋण, क्लेश तथा प्रवृत्ति के सदा बने रहने के कारण अपवर्ग का अभाव है उक्त कथन के निराकरण हेतु प्रमाण प्रस्तुत करें।
4. वर्तमान समय में न्याय व वैशेषिक दर्शन का सामाजिक एवं आध्यात्मिक महत्त्व पर प्रकाश डालें।
5. जाति को परिभाषित करते हुए, उसके प्रकार भी बतायें तथा किन्हीं 5 जातियों का प्रामाणिक वर्णन भी करें।

खण्ड–ब
(लघु–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ब' में छः (06) लघु–उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(4×5=20)**

1. प्रशस्तपाद भाष्यानुसार 'संस्कार' की परिभाषा व भेद स्पष्ट करें।
2. 'निग्रह स्थान' क्या है? निम्न में–से किन्हीं तीन को स्पष्ट करें –

   (1) प्रतिज्ञाहानि (2) पुनरुक्त (3) न्यून (4) निरर्थक।
3. तत्त्वाध्यवसायसंरक्षणार्थं जल्पवितण्डे बीजप्ररोह – संरक्षणार्थं कण्टकशाखावरणवत्' सूत्र की प्रसंगानुसार व्याख्या करें।
4. न्यायदर्शन के परिप्रेक्ष्य में 'असदकारणवाद' तथा 'सर्वनित्यत्ववाद' का निराकरण करें।
5. कणाद ऋषि के मत में समवायिकारण, असमवायिकारण तथा निमित्तकारण को सोदाहरण स्पष्ट करें।
6. "कारणपरत्वात् कारणापरत्वाच्च" सूत्र की सप्रसंग व्याख्या करें।

खण्ड–स
(अतिलघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'स' में पाँच (05) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए एक अंक निर्धारित हैं। इस खण्ड के **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर एक या दो पंक्तियों में लिखिए। **(05×01=05)**

1. अविद्या का लक्षण क्या है ?
2. न्यायदर्शन में कुल कितने अध्याय, आह्निक व सूत्र हैं?
3. दोष कितने प्रकार के हैं?
4. 'अप्रतिभा' नामक निग्रह स्थान को लक्षित करें।
5. वैशेषिक दर्शन में 'अर्थ' शब्द का क्या अर्थ है?

----------x----------